Title: Regarding inconvenience caused to passengers due to strike by certain sections of Air India Pilots.

**श्री रामजीलाल सुमन (फिरोजाबाद) :** अध्यक्ष महोदय, एअर इंडिया ने 27 पायलट्स को निलम्बित कर दिया है। दुनिया में दो दर्जन से ज्यादा देशों में सार्स का प्रकोप है और हिन्दुस्तान में भी आहिस्ता-आहिस्ता इसका प्रकोप होने लगा है. रोज कोई न कोई केस आइडैंटिफाई हो जाता है। कल कोलकाता में सार्स का एक केस आइडैंटिफाई हुआ। इसी वजह से पायलट्स हड़ताल पर जाने वाले थे लेकिन 27 पायलट्स को निलम्बित कर दिया गया। इस विभाग के संबंधित मंत्री यहां बैठे हैं। वह जानते हैं कि अप्रैल माह में एअर इंडिया और इंडियल एअरलाइन्स को इससे करोड़ों रुपए का घाटा हुआ। पायलट्स स्वास्थ्य मंत्री से मिलना चाहते थे। मैं जानना चाहता हूं कि क्या इन पायलट्स को निलम्बित करने से पहले उनसे कोई बात की गई थी और क्या यह सुनिश्चित किया गया कि उनके स्वास्थ्य की पूरी हिफाजत की जाएगी। सरकार ने इस मामले में लापरवाही बरतने का काम किया है। हमारे देश के लोग खाड़ी से यहां आना चाहते हैं। ऐसी परिस्थिति में हड़ताल हो जाए और पायलट्स को निलम्बित कर दिया जाए, यह अत्यधिक गम्भीर मामला है। मेरा मानना है कि अगर सरकार ने पायलट्स से विचार-विमर्श किया होता, उन्हें विश्वास में लिया होता तो यह नौबत नहीं आती। देश में सार्स का प्रभाव निरन्तर बढ़ रहा है। सार्स का मनोवैज्ञानिक प्रभाव यह पड़ा कि पायलट्स ने यह समझा कि उनके स्वास्थ्य की जाच करायी जाए, उन्हें सुरक्षित रखा जाए और सरकार की तरफ से गारंटी दी जाए कि उड़ान भरते समय उनके स्वास्थ्य का पूरा ख्याल रखा जाएगा।

मैं सरकार से जानना चाहता हूं कि पायलट्स से क्या बातचीत की गई और क्या उन्हें विश्वास में लिया गया?â€¦ (व्यवधान)

**अध्यक्ष महोदय :** आप सभी के नोटिसेज मेरे पास हैं। यदि आप कोआपरेट करेंगे तो हर एक नोटिस देने वाले को चांस दूंगा। प्लीज को-आपरेट मी। मैं हर नोटिस को महत्व देता हूं।

SHRI E. AHAMED (MANJERI): Sir, this is not just the concern of the pilots, this is the concern of the entire country. The Air India pilots are holding the passengers and the nation to ransom. Pilots of no other international airlines have resorted to this tactics. The pilots say that they are concerned. They are demanding that health certificates be issued to their cabin crew and cockpit crew. Hundreds of passengers are travelling in those aeroplanes. Why are the pilots not insisting on this in the case of passengers? Why are they insisting on this in the case of cabin crew? The demand being made by the pilots of Air India is unreasonable, uncalled for and unsympathetic. Their act is condemnable.

They also included Kuwait in this. We all know the difficulty with regard to Kuwait. People are now going back to Kuwait in big numbers. Indian Airlines is operating its flights on its Kuwait sector. Air India pilots say that they are afraid of SARS. Is it only confined to Air India pilots? They have been given all the benefits, all allowances and all consideration. However, they are doing a great disservice to the people of this country. The air passengers are in great difficulty. I congratulate the Government for taking prompt action. Action should continue. They should either join the service or they should be sacked. No sympathy should be shown to these people. They are holding the country to ransom and that should not be allowed.

I congratulate the Minister for stern and prompt action and request him to take further action if necessary and also solve the problems of the people. I would also request the hon. Minister to arrange more Indian Airlines aircraft for passengers to fly to Kuwait and to those countries.

**श्री राशिद अलवी (अमरोहा) :** अध्यक्ष जी, इस विाय पर मेरा भी नोटिस है।

**अध्यक्ष महोदय** : इस विाय पर आपका नोटिस नहीं है, दूसरे विाय पर है। इस विाय पर श्री ई.एहमद के अलावा किसी और सदस्य का नोटिस नहीं है।

**MR. SPEAKER: The Minister will react now**

....(व्यवधान)

**अध्यक्ष महोदय** : कटारिया जी, आप बैठिये। एक विाय चालू है और मैंने आपको बता दिया है, मैं इसके बाद आपको चांस दूंगा।

**श्री राशिद अलवी** : अध्यक्ष जी, जिस तरीके से पायलट्स की स्ट्राइक हुई है, यह बहुत सीरियस मामला है। मैं श्री शाहनवाज़ जी को मुबारकबाद देता हूं कि उन्होंने पायलट्स के खिलाफ जो कार्यवाही की है, बिलकुल ठीक किया है। पायलट्स को पांच-पांच लाख रुपये तनख्वाह दी जा रही है और वे अपनी जिम्मेदारी से भागने का काम कर रहे हैं। अगर देश की आर्मी के अंदर यह फीलिंग्ज़ हो जाये तो देश का क्या होगा? मैं सरकार से कहना चाहता हूं कि पायलट्स â€¦ (व्यवधान)

MR. SPEAKER: You are carrying the same views as the Minister is.

**श्री रामजीलाल सुमन :** अध्यक्ष जी, जब पायलट्स अपने को सुरक्षित महसूस करेंगे, तभी वह जहाज में जायेगाâ€¦ (व्यवधान) ये फालतू बात कर रहे हैंâ€¦ (व्यवधान) इनके पास कोई काम नहीं है। जब पायलट सुरक्षित होगा, तभी वह उड़ान भरेगाâ€¦ (व्यवधान)

**अध्यक्ष महोदय :** उन्हें अपनी बात रखने का अधिकार है।

**श्री राशिद अलवी** : अध्यक्ष जी, समाजवादी पार्टी के लोग आपे से बाहर हो जाते हैं।

**अध्यक्ष महोदय** : लगता है कि विपक्ष इस विाय पर एकमत नहीं है। Mr. Minister, would you like to react on this issue?

**श्री राशिद अलवी :** अध्यक्ष जी, मुझे अपनी बात पूरी कर लेने दीजिये। लोग एतराज करेंगे, तो क्या मैं बैठ जाऊंगा। मुझे बोलने दीजिये, उसके बाद मंत्री जी से बुलवाइये। क्या सुमन जी इस हाउस को चलायेंगे?

अध्यक्ष जी, गल्फ कंट्रीज की 50 प्रतिशत फ्लाइट्स कैंसिल हो गई हैं। लोगों को परेशानी हो रही है। लोग एअरपोर्ट्स पर दो-दो,तीन-तीन दिन से पड़े हुये हैं। जो

सरकारी मुलाज़िम हैं, 5 लाख तनख्वाह पा रहे हैं, उन्हें इस बात की इजाजत नहीं दी जा सकती कि वे फैसला करेंगे कि कहां उसे जाना है या कहां नहीं जाना है। अगर सिर्फ इसलिये कि हमारी ईश्यू बैस्ड सपोर्ट है, हम हमेशा हर बात पर खिलाफ बोलने का काम करेंगे, इसका मतलब यह नहीं कि अगर देश का मामला होगा और समाजवादी पार्टी के लोग आंखें बंद करके उसकी मुखालफत करेंगे। मैं सरकार से कहना चाहता हूं कि पायलट्स के खिलाफ सरकार को कार्यवाही करनी चाहिये, उन्हें वार्निंग दी जानी चाहिये।

उन्हें वार्निंग देनी चाहिए और फ्लाइट्स को ठीक ढंग से चलाना चाहिए। दुनिया के अंदर किसी को इतनी ज्यादा तनख्वाहें नहीं दी जा रही हैं, जितनी इन्हें दी जा रही हैं।â€¦ (व्यवधान)

**श्री रामजीलाल सुमन :** तनख्वाह क्या चीज होती हैं। अध्यक्ष महोदय, जिंदगी से बड़ी तनख्वाह नहीं होती है। जब वे अपने को सुरक्षित महसूस करेंगे तो उड़ान भरेंगे। यहां उनके स्वास्थ्य का सवाल है। तनख्वाह क्या होती है।â€¦ (व्यवधान)

**डॉ.विजय कुमार मल्होत्रा (दक्षिण दिल्ली) :** उसका जिंदगी से क्या ताल्लुक है। कोई मिलिट्री वाला कह दे कि मैं नहीं जाता, मेरी जिंदगी का सवाल है।â€¦ (व्यवधान)

MR. SPEAKER: Shri Rashid Alvi, please sit down now. I have called the hon. Minister to make a brief statement in this regard.

**श्री राशिद अलवी :** मेरी यही प्रार्थना है कि ये फ्लाइट्स चलाई जानी चाहिए और अगर जरूरत पड़े तो बाहर से पायलट बुलाने चाहिए।

**नागर विमानन मंत्री (श्री सैयद शाहनवाज़ हुसैन) :** सर, संसद में एक बार हमारी चर्चा हुई थी, जब जाड़े में फ्लाइट्स लेट होती थीं तो संसद में हमें कहा गया था कि अब कैट-3 आपने लगा लिया है। लेकिन कैट-3 का उपयोग आपके पायलट नहीं कर रहे हैं। अध्यक्ष महोदय तब मैंने आपका संरक्षण प्राप्त किया था और कहा था कि पायलट को कैट-3 की ट्रेनिंग करवायेंगे। हमारे यहां दो तरह के एक्जीक्यूटिव पायलट हैं, कुछ एक्जीक्यूटिव हैं, वे आधे हैं और आधे इंडियन पायलट गिल्ड के पायलट्स हैं। सारे पायलटों ने ट्रेनिंग कर ली है। जब हमने इंडियन पायलट गिल्ड के पायलटों से कहा कि आप ट्रेनिंग कर लें तो उन्होंने पर पायलट **75,000/-** रुपये एक्सट्रा मांगे। हमने कहा यह संभव नहीं है। एयर इंडिया छः साल के बाद प्रोफिट में आई है। इससे 35 करोड़ रुपये का एक्सट्रा खर्च आयेगा। उसके बाद इराक वार आ गया। वे इस इंतजार में थे कि जब भी सरकार फंसेगी, तब हम उसे ऐन वक्त पर धोखा देकर अपनी मांगे मनवायेंगे। क्योंकि 1974 के बाद से आज तक किसी पायलट के खिलाफ कोई भी कार्रवाई एयर इंडिया ने नहीं की। 1974 के बाद पहली बार यह कार्रवाई हुई है।

अध्यक्ष महोदय, इराक में वार चल रहा था। जिस दिन इराक वार खत्म हुआ तो इन्होंने आठ अप्रैल को हमें नोटिस दिया कि कुवैत में हम नहीं जायेंगे। कुवैत में सद्दाम हुसैन का कोई खतरा नहीं है। माननीय सदस्य ने जिंदगी का सवाल उठाया है, यह बहुत महत्वपूर्ण है।â€¦ (व्यवधान)

**कुंवर अखिलेश सिंह :** सद्दाम हुसैन का खतरा कभी नहीं था, आप सद्दाम हुसैन के खतरे की बात क्यों कर रहे हैं।

**श्री सैयद शाहनवाज़ हुसैन :** अध्यक्ष महोदय, इन्होंने कहा कि हम कुवैत नहीं जायेंगे। दुनिया की किसी एयरलाइन के किसी पायलट ने और किसी भी एयरलाइन ने कुवैत जाने से मना नहीं किया। लेकिन इंडियन पायलट गिल्ड के लोगों ने कुवैत जाने से मना कर दिया। उसके बाद हमने कुवैत की फ्लाइट्स एक्जीक्यूटिव पायलटों से चला लीं। हमें कोई फर्क नहीं पड़ा। उसके बाद इन्होंने कहा कि हम सिंगापुर और हांगकांग नहीं जायेंगे। हमने कहा, ठीक है आप सिंगापुर और हांगकांग न जाएं। हमने वे फ्लाइट्स भी एक्जीक्यूटिव पायलटों से ऑपरेट कर लीं। एयर इंडिया पर इसका कोई प्रभाव नहीं पड़ा।â€¦ (व्यवधान)

**श्री राशिद अलवी` :** श्री सुमन को वहां भेज दें।â€¦ (व्यवधान)

**श्री सैयद शाहनवाज़ हुसैन :** अध्यक्ष महोदय, हमने सिंगापुर और हांगकांग की फ्लाइट्स भी एक्जीक्यूटिव पायलटों से चला लीं। हमें कोई फर्क नहीं पड़ा। जब इन्होंने देखा कि एयर इंडिया को कोई नुकसान नहीं हो रहा है तो इन्होंने एक नई शर्त फिर लाद दी। इन्होंने कहा कि अगर कोई पायलट सिंगापुर या हांगकांग दस दिन के अंदर गया हो, यानी दस दिन के अंदर अगर वह उसमें गया हुआ है और वह सर्टीफिकेट लिखकर दे कि वह वहां नहीं गया है, तभी हम उसके साथ फ्लाई करेंगे। यह एकदम नाजायज मुद्दा था। हमने कहा यह कैसे हो सकता है। हम जनप्रतिनिधि है, हम जनता के लिए यहां बैठे हैं, जनता द्वारा चुनकर आये हैं। अगर यात्रियों को एयरपोर्ट पर परेशानी हो रही है तो हमें उसका सवाल बहुत गंभीरता से उठाना चाहिए। क्योंकि इन्होंने ऐन वक्त पर हड़ताल की घोाणा नहीं की, यह यूरोप गये, अमरीका गये और इन्होंने कहा कि पहले लिखकर दो कि इनमें से कोई भी क्रू दस दिन से सिंगापुर या हांगकांग नहीं गया है, तब हम जायेंगे और उन्होंने फ्लाइट्स को उड़ाने से मना कर दिया। इन्होंने पूरी दुनिया में एयर इंडिया की इमेज को खराब करने का काम किया। जो एयरपोर्ट्स पर आप टी.वी. चैनलों पर देख रहे होंगे, जो बाइट दिखा रहे हैं कि यात्री परेशान हैं, वे एयर इंडिया के मैनेजमैन्ट की वजह से नहीं है। अगर इन्होंने हड़ताल की घोाणा की होती तो हम उसे फिर से रीशेड्यूल करते। लेकिन ये लोग एयरपोर्ट पर आते हैं, अपना बैग रखते हैं और उसके बाद कहते हैं कि आप लिखकर दो। कल को ये सवाल पूछेंगे कि अगर इनमें से कोई यात्री दस दिन में सिंगापुर और हांगकांग गया है, श्री रामजीलाल सुमन जी भी अगर हांगकांग या सिंगापुर से दस दिन में लौटकर आते तो इनका नाम सुनते ही वे मना कर देंगे कि हम नहीं जायेंगे, क्योंकि उन्होंने यह तय कर लिया कि हम किसी न किसी शर्त पर एयर इंडिया के मैनेजमैन्ट को झुकायेंगे।

अध्यक्ष महोदय, दो तरह के रूल्स हैं। हैल्थ मिनिस्टर भी यहां बैठी हैं। डब्ल्यू.एच.ओ. ने किसी भी एयरलाइंस को मना नहीं किया कि वह सिंगापुर या हांगकांग न जाएं और "आइटा" जो इंटरनेशनल बॉडी है, जो एयरलाइंस ऑपरेट कराती है, उसने कहीं पर यह डायरेक्शंस जारी नहीं की कि एयरलाइन सिंगापुर या हांगकांग नहीं जानी चाहिए।

अध्यक्ष महोदय, मैं यह शुभ सूचना संसद को देना चाहता हूं कि उनकी इस हड़ताल के बावजूद एयर इंडिया ने पूरी तैयारी कर ली है। आपने कहा कि हमने बातचीत नहीं की। हमने सैक्रेटरी, सिविल एविएशन को कहा कि वह बातचीत करेंगे। उन्होंने कहा कि हम दिल्ली नहीं आयेंगे। हमने फिर मुम्बई बातचीत के लिए भेजा, मुम्बई में बातचीत हुई। हमने कहा कि आप जो पैसेंजर्स को ऐन वक्त पर मना कर देते हैं कि हम फ्लाई नहीं करेंगे, उसकी वजह से कई बीमार लोगों को परेशानी हुई है, किसी को ऑपरेशन कराने के लिए अमरीका जाना है, किसी को यूरोप जाना है, किसी का एग्जाम है, किसी की नौकरी का सवाल है।

जब हमने उनको कहा कि आप एक बार आ जाएं, आपकी ग्रीवियैन्सेज़ पर हम बातचीत करेंगे। एयर इंडिया अभी प्रॉफिट में आई है और डिसइनवैस्टमेंट की लिस्ट से उसको हमने बाहर किया है। पिछले साल 15 करोड़ का प्रॉफिट किया और इस साल हम सौ करोड़ का प्रॉफिट करने जा रहे हैं। अगर इराक वार नहीं होता तो हम तीन-चौर सौ करोड़ प्रॉफिट करने की स्थिति में होते। तो क्या जितना प्रॉफिट करें, सारा पायलट्स को बांट दें जिनकी तनख्वाह पहले से ही चार-पांच लाख रुपये है? लेकिन आपके माध्यम से देश को एक सूचना देना जरूरी है कि उड़ान प्रतिशत देखा जाए तो 20 प्रतिशत एयर इंडिया ऑपरेट करती है, 12 प्रतिशत इंडियन एयरलाइन्स ऑपरेट करती है और 68 प्रतिशत विदेशी एयरलाइन्स ऑपरेट करती हैं। मैं आपके ज़रिये सूचना देना चाहता हूँ कि एयर इंडिया में इंडियन पायलट गिल्ड की हड़ताल के बावजूद हमने अमेरिका, यूरोप और लंदन की कोई फ्लाइट कैन्सल नहीं की है। दूसरी बात यह है कि हमारी जो फ्लाइट्स जा रही थीं, जो अखबारों में

आ रहा था कि 37 प्रतिशत फ्लाइट्स कैन्सेल की हैं, ये साउथ ईस्ट एशिया की हैं, जो 37 पूरे हफ्ते की बताई हैं, एक दिन की नहीं हैं। इसके बावजूद आज एयर इंडिया को जो 20 प्रतिशत उड़ान का हिस्सा प्राप्त है, उसमें हम 15 प्रतिशत ही उड़ा पा रहे हैं और पांच प्रतिशत का हमें लॉस है। वह पांच प्रतिशत जो ट्रैफिक है, जिस तरह से साउथ ईस्ट एशिया में इंडियन एयरलाइन्स जाती हैं, उसका लोड वैसे ही कम था, हांग कांग और सिंगापुर कोई जाने को तैयार नहीं है। हमारे कई मित्रों को हम कहते हैं कि आप फ्री चले जाइए, वे फ्री में जाने के लिए भी तैयार नहीं हैं। उस पर ट्रैफिक की जो कमी थी, वह इंडियन एयरलाइन्स में ट्रांसफर हो गई है। इसलिए यात्रियों को कोई दिक्कत होने वाली नहीं है। आइन्दा आप एयरपोर्ट पर इस तरह की कोई घटना नहीं सुनेंगे कि कोई यात्री परेशान है। हमने इंडियन पायलट गिल्ड से कहा है और हम लेबर मिनिस्ट्री से बात कर रहे हैं कि पायलट हड़ताल पर भी नहीं जा रहे हैं और व्यवधान डाल रहे हैं। इसके लिए वे हड़ताल को अवैध घोषित करें, इसकी प्रक्रिया हम शुरू कर रहे हैं।

---